भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 20 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: (i) उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुछ हिस्सों में 21 दिसंबर की सुबह तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है; पंजाब और हरियाणा के कुछ इलाकों में 25 से 27 दिसंबर तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 26 और 27 दिसंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22, 26 और 27 दिसंबर को; झारखंड में 21 और 22 दिसंबर को और मध्य प्रदेश में 21 दिसंबर की सुबह तक कोहरा छाए रहने की संभावना है।

(ii) उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 20 दिसंबर को शीत लहर से लेकर अत्यधिक शीत लहर पड़ने की संभावना है।

अतीत 24 घंटों (20 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक) के दौरान वास्तविक मौसम:

- उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा; पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में; उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में; घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर): मेघालय, ओडिशा, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में दर्ज किया गया।
- दृश्यता दर्ज की गई (≤200 मीटर): मेघालय: बारापानी (150); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: हिंडन आईएएफ और आगरा आईएएफ (0), आगरा ताज (15), बरेली (40), मेरठ (50), अलीगढ (एपी) और अलीगढ (100) प्रत्येक, हमीरपुर (180); पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज आईएएफ और कानपुर आईएएफ (0) प्रत्येक, फतेहगढ़ और बहराईच (20) प्रत्येक, कानपुर सिटी (40), श्रावस्ती (एपी) (50), बांदा (90), फुरसतगंज (100); उत्तराखंड: हरिद्वार(30), खटीमा(50); पंजाब: अमृतसर(0), पटियाला(40), लुधियाना (50), बल्लोवाल सौंकरी (100);हरियाणा: अंबाला (0); हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर (50); पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर(0); पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो (0); ओडिशा: राउरकेला (50); झारखंड: रांची (50); छत्तीसगढ़: अंबिकापुर (50)।पश्चिम उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर शीत दिवस की स्थिति देखी गई।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छिटपुट इलाकों में शीत लहर से लेकर भीषण शीत लहर तक की स्थिति देखी गई; उत्तराखंड के छिटपुट इलाकों में शीत लहर की स्थिति बनी हुई है।
- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ हिस्सों और तेलंगाना के छिटपुट इलाकों में शीत लहर की स्थिति देखी गई है।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (परिशिष्ट I एवं II देखें):

- मध्य ईरान के निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है।
- मन्नार की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- उत्तर भारत में 12.6 किमी समुद्र तल से ऊपर लगभग 105 समुद्री मील की रफ्तार वाली उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम का प्रभाव बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम संभावित है:

- अगले 3 दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की/मध्यम वर्षा/बर्फबारी की प्रबल संभावना है, और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी छिटपुट वर्षा/बर्फबारी हो सकती है।
- 21 दिसंबर को कश्मीर घाटी में भी कुछ स्थानों पर भारी वर्षा/बर्फबारी की संभावना है।

आज, 20 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक के पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान दशाएँ:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कई स्थानों और हिमाचल प्रदेश के कुछ छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; मध्य प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; महाराष्ट्र के कई स्थानों पर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; झारखंड, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम, केरल और तमिलनाडु के कुछ छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस उमरिया (पूर्वी मध्य प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (<-5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.0 डिग्री सेल्सियस से -3.1 डिग्री सेल्सियस) रहा; केरल और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.0 डिग्री सेल्सियस से -3.1 डिग्री सेल्सियस) रहा। पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक, छत्तीसगढ़ में छिटपुट स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा; लक्षद्वीप में कई स्थानों पर; रायलसीमा, विदर्भ, तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर; दिल्ली, पूर्वी मध्य प्रदेश, असम, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में छिटपुट स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे रहेगा। (परिशिष्ट IV देखें)
- पिछले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि देखी गई है; जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में 2-3 डिग्री सेल्सियस, गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल के कुछ हिस्सों में और आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में 1-2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 3 दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद अगले 4 दिनों में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।
- अगले 4 दिनों तक पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और उसके बाद अगले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 2 दिनों तक गुजरात क्षेत्र में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा और उसके बाद अगले 3 दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी और उसके बाद न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 7 दिनों तक महाराष्ट्र, मध्य और उत्तर-पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

सघन कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियाँ:

- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुछ हिस्सों में 21 दिसंबर की सुबह तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है; पंजाब और हरियाणा के कुछ इलाकों में 25 से 27 दिसंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 26 और 27 दिसंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22, 26 और 27 दिसंबर को; झारखंड में 21 और 22 दिसंबर को और मध्य प्रदेश में 21 दिसंबर की सुबह तक कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में 22 दिसंबर की रात/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है; उत्तर-पूर्वी भारत के कुछ इलाकों में 25 दिसंबर की सुबह तक; पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 21 दिसंबर को; झारखंड में 23 दिसंबर को; बिहार में 21 से 23 दिसंबर के दौरान; ओडिशा में 21 और 22 दिसंबर को; हिमाचल प्रदेश में 21 और 23 से 25 दिसंबर के दौरान; उत्तराखंड में 24 और 25 दिसंबर को; पंजाब में 21 और 24 दिसंबर को कोहरा छाए रहने की संभावना है। हरियाणा में 22

और 24 दिसंबर को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 22 और 25 दिसंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 23 और 25 दिसंबर को; उत्तरपूर्वी राजस्थान में 21 दिसंबर को; मध्य प्रदेश में 22 दिसंबर को; और छत्तीसगढ़ में 21 और 22 दिसंबर को शीत लहर की संभावना है।

- मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 21 और 22 दिसंबर को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 23 दिसंबर को; और तेलंगाना में 21-23 दिसंबर के दौरान शीत लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- 21 और 22 दिसंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में शीत लहर से लेकर भीषण शीत लहर तक की स्थिति रहने की प्रबल संभावना है।
- 20 दिसंबर को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ठंड से लेकर भीषण ठंड तक की स्थिति रहने की प्रबल संभावना है।
- 20 और 21 दिसंबर को बिहार के कुछ इलाकों में; 21 दिसंबर को उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में ठंड से लेकर भीषण ठंड तक की स्थिति रहने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को 20 दिसंबर से 25 दिसंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

- बंगाल की खाड़ी:

  20 से 23 दिसंबर के दौरान मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में; दक्षिणी ओमान और उससे सटे यमन के तटों के साथ-साथ और उससे दूर, पश्चिमी मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों के साथ-साथ और उससे दूर, सोमालिया के तट के साथ-साथ और उससे सटे समुद्री क्षेत्रों में, 20 और 21 दिसंबर को।

ii) दिल्ली/एनसीआर में 20-23 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	20- Dec	21- Dec	22- Dec	23- Dec	24- Dec	25- Dec	26- Dec
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

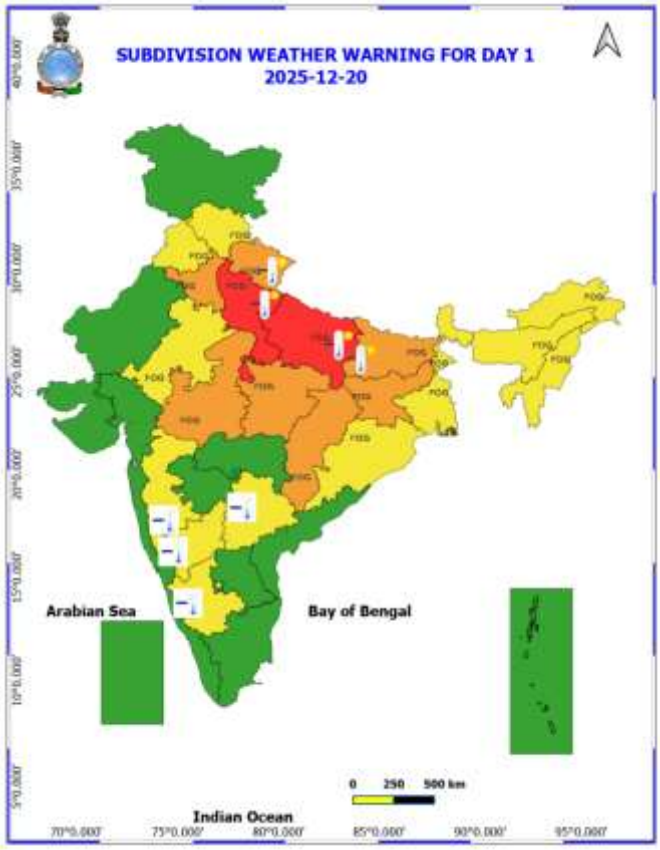
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

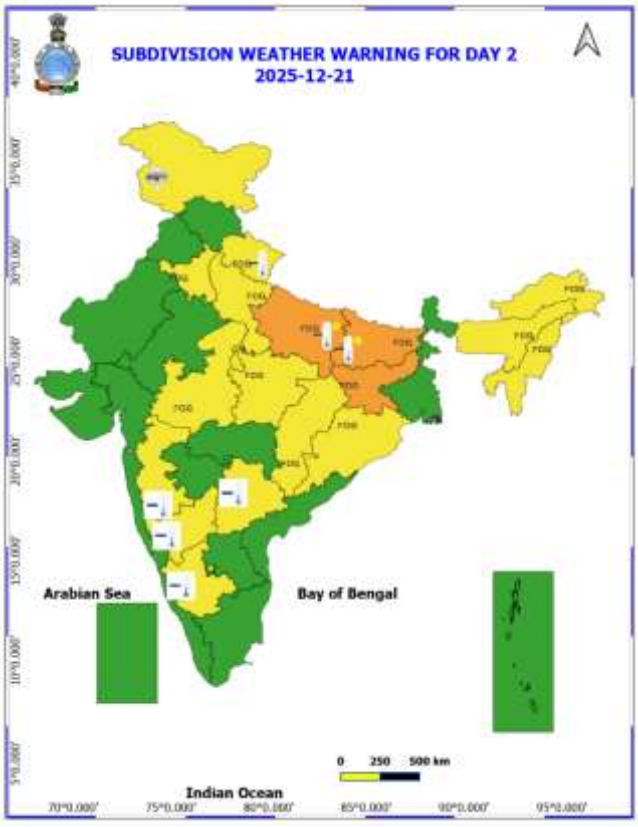
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

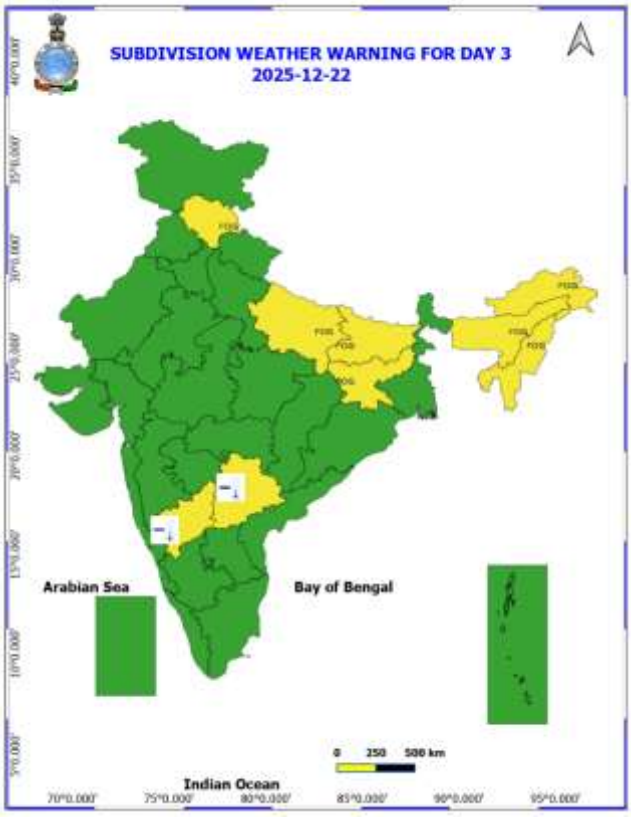
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

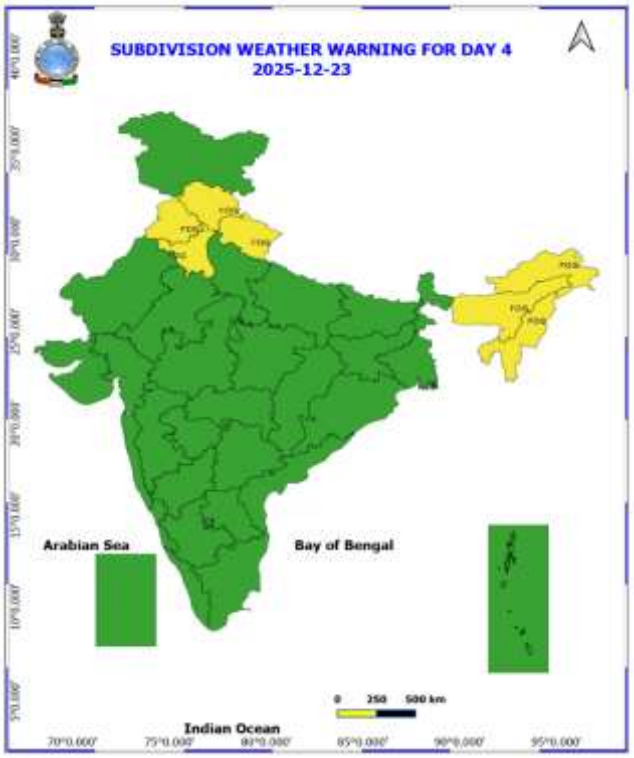

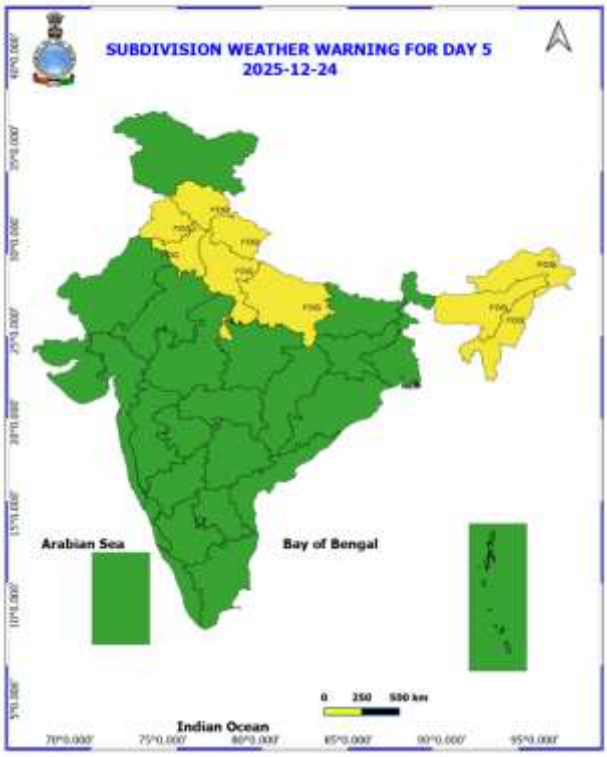

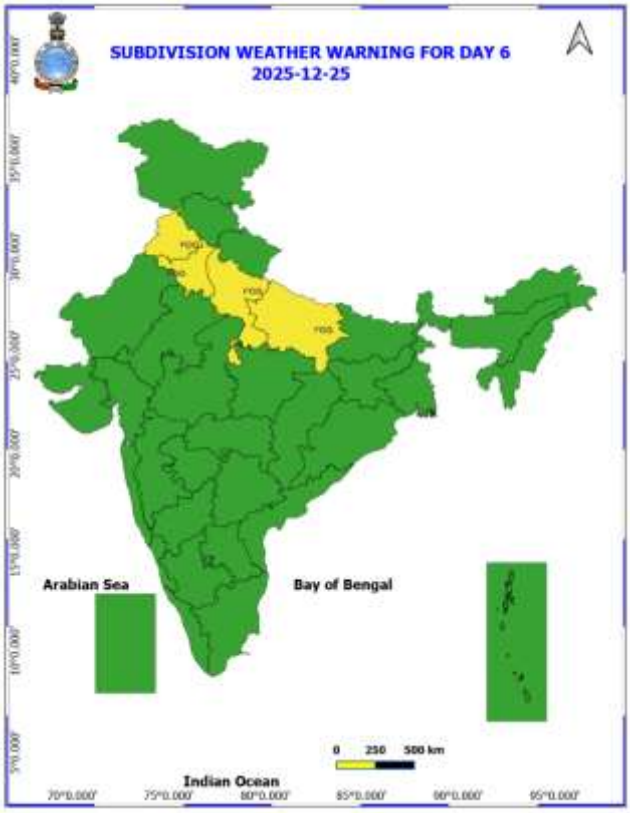

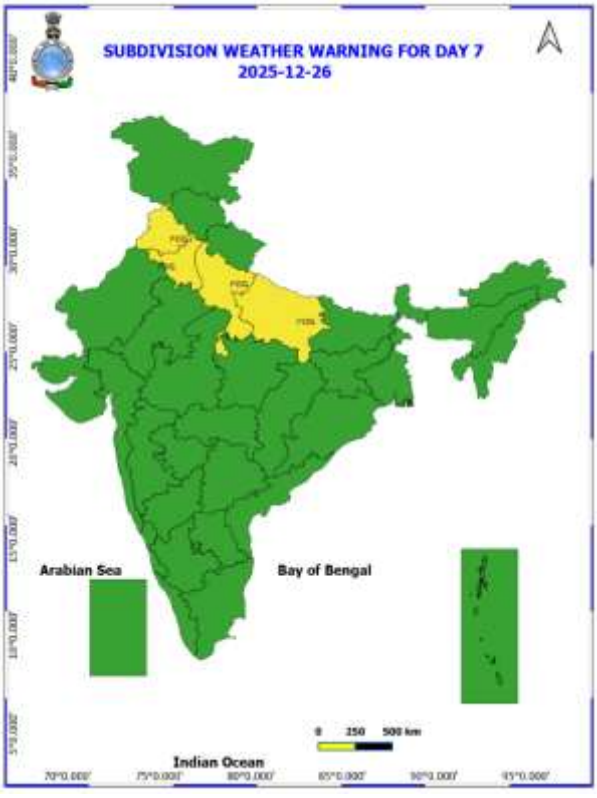

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

20 से 23 दिसंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट और अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18 से 22 डिग्री सेल्सियस और 6 से 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1 से 3 डिग्री सेल्सियस) रहा। अधिकतम तापमान अधिकांश स्थानों पर सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) रहा, जबकि कुछ स्थानों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1 से -5.0 डिग्री सेल्सियस) था। पालम हवाई अड्डे पर 20.12.2025 को सुबह 4:00 बजे (भारतीय मानक समय) से सुबह 5:30 बजे (भारतीय मानक समय) तक सबसे कम दृश्यता 350 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुबह 6:00 बजे (भारतीय मानक समय) तक बढ़कर 500 मीटर हो गई। सफदरजंग हवाई अड्डे पर 19.12.2025 को भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे से 10:30 बजे तक सबसे कम दृश्यता 200 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुधरकर 11:30 बजे 300 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 13 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली। आज दोपहर के समय क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली।

मौसम का पूर्वानुमान:

20.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात/सुबह के समय हल्की से मध्यम धुंध छाई रहेगी। दिल्ली के कुछ स्थानों पर दिन में ठंड रहेगी। अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-4.0 से -6.0 डिग्री सेल्सियस) रहेगा। दोपहर के समय मुख्यतः पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। शाम और रात के समय पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से भी 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

21.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर घना कोहरा रहेगा, कुछ स्थानों पर बहुत घना कोहरा रहेगा। रात के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20 से 22 डिग्री सेल्सियस और 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी और शाम/रात तक यही स्थिति बनी रहेगी।

22.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर मध्यम कोहरा रहेगा, जबकि कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाया रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5 से 3.5 डिग्री सेल्सियस) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (2.3 से 4.3 डिग्री सेल्सियस) रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से दक्षिण-दक्षिणपूर्व दिशा से चलेगी, जिसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी और शाम/रात तक यही गति बनी रहेगी।

23.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की धुंध रहेगी, जबकि कुछ स्थानों पर मध्यम धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23°C से 25°C और 9°C से 11°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5 से 3.5°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (2.3 से 4.3°C) रहेगा। सुबह के समय पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी और शाम तक यही गति बनी रहेगी।

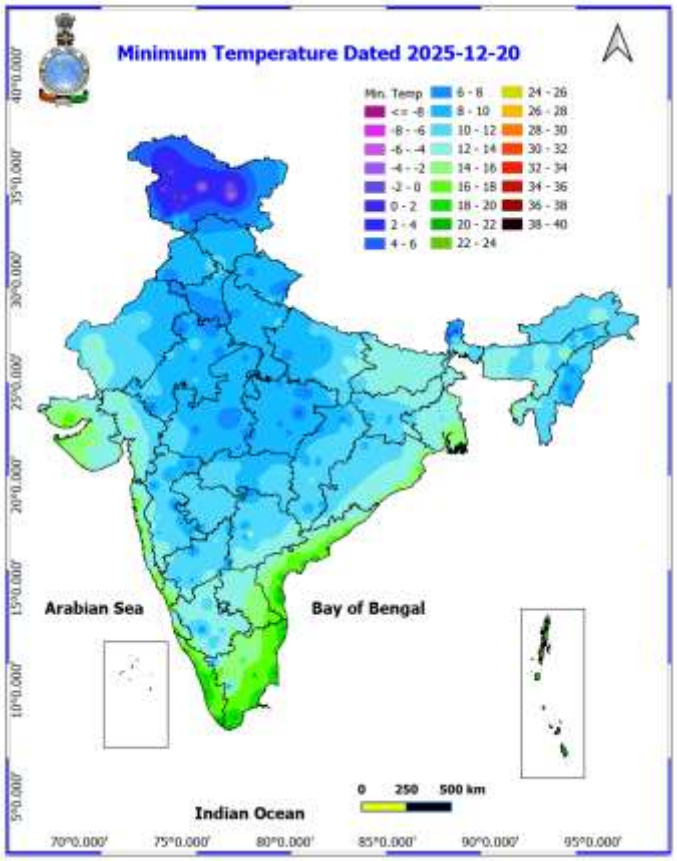

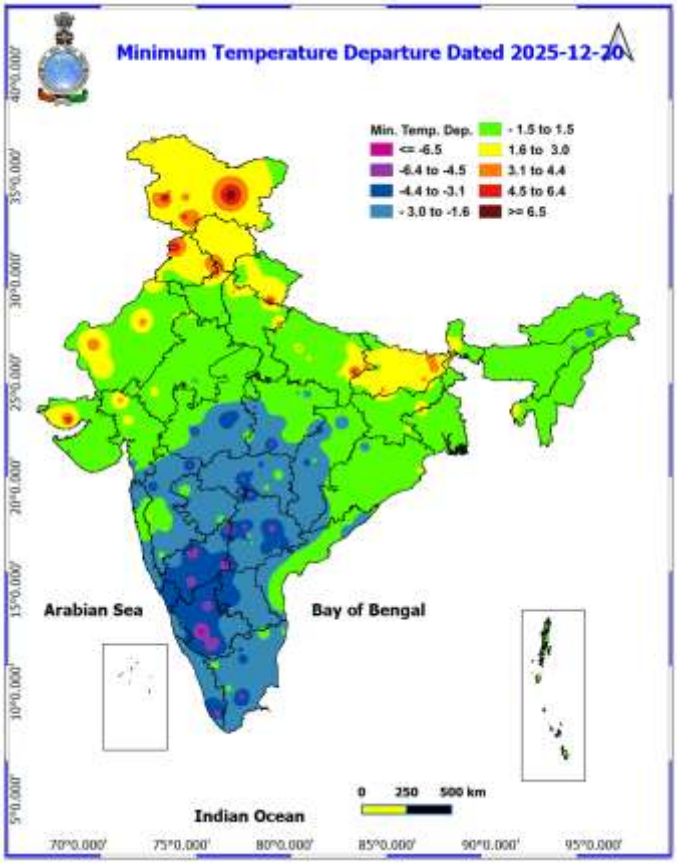

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- **उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुछ हिस्सों में 21 तारीख की सुबह तक इसकी अत्यधिक संभावना है;**
- **पंजाब और हरियाणा के कुछ छिटपुट इलाकों में 25 से 27 तारीख के दौरान;**
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 26 और 27 तारीख को;**
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22, 26 और 27 तारीख को;**
- **झारखंड में 21 और 22 तारीख को और मध्य प्रदेश में 21 दिसंबर की सुबह तक।**

प्रभाव अपेक्षित

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

❖ **ठंड के मौसम के कारण संभावित प्रभाव: 20 दिसंबर को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में कड़ाके की ठंड से लेकर भीषण ठंड पड़ने की संभावना है, और 20 और 21 दिसंबर को बिहार के कुछ इलाकों में तथा 21 दिसंबर को उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी ठंड पड़ने की संभावना है।**

❖ **शीत लहर की स्थिति के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है। 21 और 22 दिसंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में शीत लहर से लेकर भीषण शीत लहर की स्थिति रहने की प्रबल संभावना है। मध्य महाराष्ट्र और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में भी 21 और 22 दिसंबर को शीत लहर की आशंका है; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 23 दिसंबर को और तेलंगाना में 21 से 23 दिसंबर के दौरान शीत लहर की आशंका है।**

प्रभाव अपेक्षित

❖ फ्लू, बहती/नाक बंद होना या नाक से खून आना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं या बढ़ जाती हैं।
❖ कंपकंपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर आ जाएं।
❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से शीतदंश हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः शरीर के खुले हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कानों पर काले छाले दिखाई देते हैं। गंभीर शीतदंश में तत्काल चिकित्सा ध्यान और उपचार की आवश्यकता होती है।
❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

सुझाए गए उपाय:

❖ ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश ऊष्मा इन्हीं अंगों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
❖ पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्ज़ियाँ खाएँ और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएँ।
❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
❖ शरीर को सूखा रखें, यदि गीला हो, तो शरीर की गर्मी को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
❖ यदि प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
❖ जहरीले धुएं से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
❖ संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
❖ शीतदंश/ हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें।
❖ पशुओं को ठंड के मौसम से बचाएँ।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में, खड़ी फसलों को कम तापमान के तनाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का इष्टतम तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का उपयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल/पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- ➢ रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- ➢ मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- ➢ **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- ➢ **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ➢ **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ➢ **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ➢ **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- ➢ **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- ➢ **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

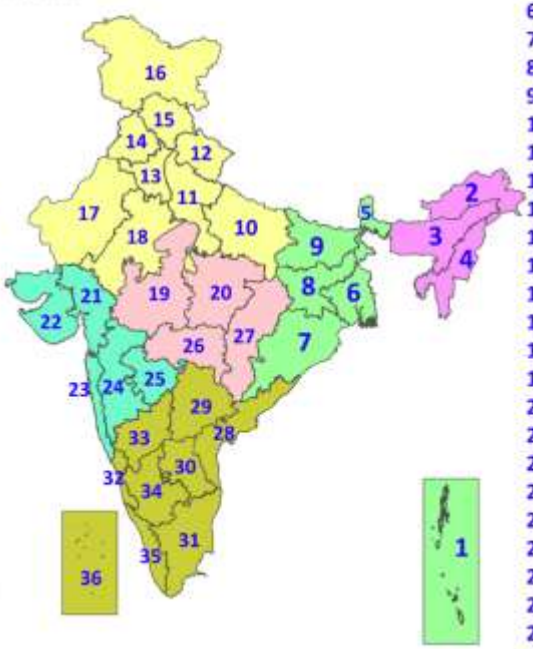

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)